रघुवर जी थारी सूरत प्यारी लागे म्हारा राम भजन लिरिक्स

रघुवर जी थारी सूरत,
प्यारी लागे म्हारा राम,
उमराव बन्ना सूरत प्यारी,
लागे मोरा श्याम।bd।

शीश किलंगी पागड़ी,
रत्न जड़ित सिर पैंच,
कुण्डल झलकत कान में,
ले सबको मन खैंच,
रघुनन्दन थारी चितवन,
प्यारी लागे मोरा श्याम।bd।

गल कंठो हीरो जड्यो,
गल मोतियन की माल,
बिंटी में हरी कांगन्नी,
शोभा बनी है रसाल,
सियावर जी थारो लटको,
प्यारी लागे मोरा श्याम।bd।

अचकन झिलमिल कर रही,
दे रही अजब बहार,
दुपट्टो जरि की बैल को,
झलकत कोर किनार,
Bhajan Diary Lyrics,
दशरथ सूत थारी चलगत,
प्यारी लागे मोरा श्याम।bd।

रघुवर जी थारी सूरत,
प्यारी लागे म्हारा राम,
उमराव बन्ना सूरत प्यारी,
लागे मोरा श्याम।bd।

स्वर – श्री मुरलीधर जी महाराज।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com